

This is a digital copy of a book that was preserved for generations on library shelves before it was carefully scanned by Google as part of a project to make the world's books discoverable online.

It has survived long enough for the copyright to expire and the book to enter the public domain. A public domain book is one that was never subject to copyright or whose legal copyright term has expired. Whether a book is in the public domain may vary country to country. Public domain books are our gateways to the past, representing a wealth of history, culture and knowledge that's often difficult to discover.

Marks, notations and other marginalia present in the original volume will appear in this file - a reminder of this book's long journey from the publisher to a library and finally to you.

Usage guidelines

Google is proud to partner with libraries to digitize public domain materials and make them widely accessible. Public domain books belong to the public and we are merely their custodians. Nevertheless, this work is expensive, so in order to keep providing this resource, we have taken steps to prevent abuse by commercial parties, including placing technical restrictions on automated querying.

We also ask that you:

- + *Make non-commercial use of the files* We designed Google Book Search for use by individuals, and we request that you use these files for personal, non-commercial purposes.
- + Refrain from automated querying Do not send automated queries of any sort to Google's system: If you are conducting research on machine translation, optical character recognition or other areas where access to a large amount of text is helpful, please contact us. We encourage the use of public domain materials for these purposes and may be able to help.
- + *Maintain attribution* The Google "watermark" you see on each file is essential for informing people about this project and helping them find additional materials through Google Book Search. Please do not remove it.
- + *Keep it legal* Whatever your use, remember that you are responsible for ensuring that what you are doing is legal. Do not assume that just because we believe a book is in the public domain for users in the United States, that the work is also in the public domain for users in other countries. Whether a book is still in copyright varies from country to country, and we can't offer guidance on whether any specific use of any specific book is allowed. Please do not assume that a book's appearance in Google Book Search means it can be used in any manner anywhere in the world. Copyright infringement liability can be quite severe.

About Google Book Search

Google's mission is to organize the world's information and to make it universally accessible and useful. Google Book Search helps readers discover the world's books while helping authors and publishers reach new audiences. You can search through the full text of this book on the web at http://books.google.com/

Hindi gen. &

13 A 53



Digitized by Google



HINDUI' PRIMER.

बाचकांके चिये।

प्रथम शिचा पुस्तक।

क्रवकत्ता खुलबुक सीसाइटीके लिये द्वापा गया।



CALCUTTA:

PRINTED AT THE SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS, CIRCULAR
ROAD: AND SOLD AT ITS DEPOSITORY.

13 A

1839.

HINDUI' PRIMER.

बाजकांके जिये।

प्रथम शिचा पुस्तक।

क्रवक्ता खुवनुक सीसाइटीके विये छापा त्रया।



CALCUTTA:

PRINTFD AT THE SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS, CIRCULAR ROAD; AND SOLD AT ITS DEPOSITORY.

1839.

2nd Ed. 3500 Copies. 3rd Ed. 2500 Copies. 4th Ed. 3000 Copies.

HINDUI' PRIMER.

वर्णारमा

att | 1111

वर्षमाला देवनामरीकी

सर वर्षे।

त्र त्राद्धे उन्हर्मा स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट

(3) A A

यञ्जन वर्षः।

ग ख 再 Æ ढ ढ ₹ द घ य ন भ फ प ₹ य

ष

U

मात्रा वर्ष ।

न

Ħ

बारो खरी।

क का कि की जुकू के के के। की कं कः। ख खा खि खी खु खू ख खै खा खै। खं खः।
ग गा गि गी गुगू ग गै गो गो। गं गः।
घ चा घ घी घु घू घे चै घो ची घं घः। च चा चिची चुचू चेचेचो ची चंचः।
इ का कि की कु कू के के को की कं कः।
ज जा जिजी जुजू ज जे जो जी जंजः। स सा सि सी सु सू से से सो सो सं सः। ट टा टि टी टु टू टे टैं टें। टी ट टः। ट ठा ठि ठी टु ठू ठे ठैं ठें। ठी ठं ठः। उडा डिडी डुडेडेडेडोडी डंडः। ढ डा डि डी डु डू डे डे डो डी डंडः। च चा चि ची चु चू चे चे चो चो चो चं चः। न ना नि नी तु द्व ने ने नो नी नं नः। य या यि यी पुयू ये ये ये। यो यं यः।
द दा दि दी दु दू दे दे। दें। दं दः।
य या यि यी पुयू ये ये ये। ये। यं यः।
य या यि यी यु यू ये ये ये। ये। यं यः।
न ना नि नी नु नू ने न नो नी नं नः।
प पा पि पी पु पू पे पे पे। पा पं यः।

क फाफि फी फु फू फे फे फा फी फं फः।
व वा वि वी वृ वू वे वे वो वी वं वः।
भ भाभि भी भु भू भे भे भा भी भं भः।
म मामि मी मु मू मे में मो मो मं मः।
य या यि यी यु यू ये ये ये। यो यं यः।
र रारि री क करेरी रो री रं रः।
ख खा खि खी खु लू वे वे वो वी वं वः।
म मा मि भी मु मू में में मो मो मं मः।
प पा कि वी खु पू वे वे वो वी वं वः।
म सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वं वः।
स सा कि वी सु पू वे वे वो वी वे वः।

संवृत्त चचर।

च च च च च। व च च च च।

प प च च च च। य च च च च।

स च च च च च च।

प च च च च च।

G	; 🚎	'	ৰ	1	₹.	١.	. 1	, T	4	Ä	ച .
		_	डू								न्।
			Ħ						4 1		
1			च								•
			उव				4	₹.	उस	भ	क्वा ।
			T								न्।
			, 4					स्व			•
			' स				•				•
7			य				Ħ	更	व्य	Ħ	ज ़
;	ंडू	কু	इ	6	मू ।		व	घ	*	Ħ	व।
ş	Ħ	H	Ħ	¥	4		यु	ख	व।		
•	ক	· ਬ	च	*	ছু ।		-				
			ंम्स '				সা	म	व्य	भा	न्या
		•	म								4 1
٠.			¥					W 3			
			सं								
			æ ·				₹	5	4	भ	जृ ।
			å		_		2	चृ	₹	A_	71
			Ŧ				Ţ	₹	₹ ;	†	
٠:	延	Ţ	T	T . 9	ij١		•				. '
			मं र				3	<u>इ</u>	म्	भ	31
•	ख ट	ख	(E) (T	रह य ।		'त 'त	ष्	₹ (%	~ख ध	ख म् ।
	KE	úS	(E (2	(E		1	1	4		75

Digitized by Google

स व व। श्वस्य का र ने खंगे घं छ। र्च ई के भी जी। ्र है है है है में तं यं दं धं नै। ्री की ने भी भी। यं र जंबं हाँ। वं सं ई ई। इच्छ इन्। चम्ब्रम्म छ। ए ए स ए स। स्परम इ इ स। इइइइ।

सादेतिक द्याचर संयुक्त।

· सङ्गेतसे दे। चचरींका योग। 🗆

नवान्त्र त्यां नञ्ज स्वान्त्र का नगास्त्र प्राप्त न्यां नगान्त्र इत्यान प्राप्त का स्वान्त्र न्यां स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र कात्यान् प्रश्नास्य ह्या वालान्द स्थ स्थ हमालाल्याम्

तीन श्रचराका याग।

चार चाचरोका योग। इत्राक्ष स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त

नासामा दो खरीं के प्रब्द्। १ परिका गाउ।

चाेत चाट पीठ दीन भार धन पाप जप तप कीन नीन बाट भाट मठ दाव चूल जन वन सन कास ग्राव यव दाय पेट स्तन जांघ खाट गोद रोम जाम पुज त्राग जट रोग प्रोक ज्ञान ध्यान काट काक गांच गांच दिन मन ढीच धीर धान योग सुख মীৰ संद्रा

→⊕

दे। खरे। का शब्द।

२ पाठ।

काया श्राय। पात्र पानी काला पीला नीला घाला हरा बालू बला ताला ताली तालू भला भाला भाई माता पिता घोबी श्रांधी देही मट्टा खली श्रोष्ठ मसा ईसा सीमा कण्ड मार्ग सङ्ग श्राग श्राटा सेवा गुरु चेला पिता श्राह्मा दाता दाया सादा खड़ी साना चादी तांबा बुरा देखु धनी पुष्य धर्म इस्ती वृज्ञ कांटा गर्न गर्भ वाज भूजा गला कन्धा सन्धा तुली पुली मांस घोड़ा हाथी मही विक् द्वंबी चणा एड़ी गाड़ा भूमि गधा विद्या भाजा मांजा रोली मांजी काष्ट्र धला मूद्र मूर्ख मूली लूला खाड।

परिवा पाठ । वावकन्त्रे सीखनेका ।

भने हैं वे वाजक जो खपने पाठको कार कर्कें गुरुको सुनाय देते हैं। बीर धन्य हैं वे जो माता पिताकी आजाको मानते हैं। सत्य वाजना बढ़ा पुष्प है, मिळा कहनसे पाप होता है। बाजक पनमें विद्या शीखनेसे युवा खबस्यामें सुख होता है। सबके साथ प्रेम कर्ना खक्ला है।

२ पाठ।

चानी नेत्र मर्व नहीं कर्ते, मूर्ख नेत चपनेती बड़ा मानते हैं। विद्याका मीच सीने रूपेसे चश्चिक है। असे धनी बीज धनकी बाखीक पुष्पमार्जनें धनावते हैं, नीच नेता कुमार्जनें धनकी खोधे हैं। हे आई बाककी तुम चन्ही वातें ब्रीखा, बीद इक धरमेन्द्रकी मानीं, जिस्ने तुम्की इस् जातमें जना था है, बीद जी तुम्की समयमें खानेकी देता है, वा महके जिस्की पास तुन्हें जाना पढ़ेगा।

३ पाठ।

भवा वृद्य वही है कि जिस्के प्रवक्ती सब खाते हैं
उस्की रचा सभी कर्ते हैं वही वृद्य काटा जाता है
जो कड़वे प्रवासे जदा है वा कांट्रोस भरा है। विद्या
रक्त सबसे भवा है, विद्याका धनी दिवा किया नहीं
होता। हे मेरे प्यारे बाजको तुम् बुरोके साथ मत्
खेकी, जहां मार पीट वा गानी मनीज होती हैं। प्रेम
करो अपने पाठके शीखने वा मुखें घर जाने जे।
तुमको अस्त्रेके मार्गको शिखावता है।

८ पाठ।

नुरी नातें कभी मत् कहा, ना नुरे मार्गमें मत् जाको। माता पिताका वा गुरका वाका माना जो तुमको भका उपदेश देते हैं। भारमें उठा, चौर पढ़नेको जाको, जपने पाठको भूको मत् की पाठको भूकते हैं उन्को जिखाको। जान पाको ने तन स्थी हैं। तुम प्रार्थना करो, बीर परमेश्वरसे भनी नुद्धि पाननेने जिये बाशीर्वाद मांगी; उस्की बादा है जि पाननेने जिये बाशीर्वाद मांगी; उस्की बादा है जि तुम मांगी बीर तुमने मिनेगा, रेसा द्यावान् वा दाता बीर नेहीं है जैसा ईश्वर है। कभी ईश्वर की मत् भूनी; सदा खपने पास परमेश्वरको जानी, जिस्की दिई बाखें सारे जगत्का है; वह सदा सबको देखता है। बही मित्र नेगी तुम सब प्रेमने पात्र ही इस् जिये तुमसे मैं प्रार्थना कर्ने कहता है कि तुम कु मार्गमे पिरके खपने समयको मत गवांकी, परन्त परमेश्वरको बाटमे बनने सखसे समयको निताको।

धू पाठ जिनतीका।

\$\frac{1}{2}\$ \frac{1}{2}\$ \fra